फागण का मेला है और चढ़ी खुमारी है

फागण का मेला है और चढ़ी खुमारी है,
बाबा के दर्शन को मेरे मन में आ रही है,

हाथो में निशान लेकर रंग और गुलाल लेकर,
खाटू के राजा को रंगे दुनिया सारी है,
बाबा के दर्शन को मेरे मन में आ रही है,

हम धूम मचाएंगे श्री श्याम रिजाएगे,
लाखो को तार दिया ये लखदातारी है,
बाबा के दर्शन को मेरे मन में आ रही है,

सेठो का सेठ बाबा जग तारण हारी है,
जो सब को देता है मेरी उन संग यारी है,
बाबा के दर्शन को मेरे मन में आ रही है,

कितनो को पार किया कितनो को तार दियां
कह देना राषिक जा कर अब गोरी की वारि है,
बाबा के दर्शन को मेरे मन में आ रही है,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15032/title/fagan-ka-mela-hai-or-chadi-khumaari-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |